Meetings of Phoenix E-Cell

Meetings of Phoenix E-Cell

Meetings of Phoenix E-Cell

Meetings of Phoenix E-Cell

Phoenix E- Cell in News

रविवार , 04 नवंबर 2018 26
हिन्दुस्तान

कैंपस कॉर्नर

छात्रों ने सीखे बिजनेस के तरीके

मेरठ। मेरठ कॉलेज के बॉटनी विभाग में आईआईटी बॉम्बे और फोइनिक्स उद्योग उपक्रम सेल द्वारा हुई वर्कशॉप में छात्र-छात्राओं ने बिजनेस करने के तरीके जाने। प्राचार्या डॉ.आभा चंद्रा ने कहा कि सेल का उद्देश्य छात्रों को कारोबार के लिए सक्षम बनाना है। यह सेल छात्रों को बिजनेस मॉडल, वित्त एवं मार्केटिंग की जानकारी देगी। मुख्य वक्ता अंकुर गोयल ने छात्रों को आइडिया जनरेशन, तकनीकी टीम, ब्रांडिंग और स्टार्टअप के बारे में बताया। कार्यक्रम में डॉ.अमित मलिक, डॉ.अलका चौधरी, डॉ.एनपी सिंह, डॉ.नीरज कुमार, स्तुति, अनामिका, योगेश, अर्चित, आकांक्षा, मानसी और आकाश मौजूद रहे।

ने लिया हिस्सा

ामी विवेकानंद सुभारती के फिजियोथेरेपी कॉलेज में तियोगिता में छात्र-छात्राओं कर हिस्सा लिया।
ो क्रिकेट, टेबल-टेनिस, सौ मीटर दो सौ मीटर दौड़ हुनर दिखाया। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान ़, पॉवर लिफ्टिंग कोच शेष्ठ ने छात्र-छात्राओं का ाया। डॉ.दानिश नोमान, मीणा, डॉ.सत्यम यनात, डॉ. उजमा खान, ॉ.कपिल मौजूद रहे।

कथा ज्ञान यज्ञ 23 से : ज्योति जागृति संस्थान की ड स्थित ट्रॉमा हॉस्पिटल में 23 दिसंबर से सात ीमद्भागवत ज्ञानयज्ञ या जा रहा है।

मीटर की प्रक्रिया

मेरठ। मेरठ कॉलेज के केमेस्ट्री विभाग में डिपार्टमेंट ऑफ बॉयोटेक्नोलॉजी की स्टॉर कॉलेज स्कीम में जारी दो दिवसीय वर्कशॉप के आखिरी दिन छात्रों ने यूवी विजिबल स्पेक्ट्रोफोटोमीटर की क्रियाविधि को समझा।

डॉ.आभा अवस्थी और डॉ.विनय प्रभा शर्मा ने छात्र-छात्राओं को स्पेक्ट्रोफोटोमीटर की प्रक्रिया समझाई। डॉ.मीनाक्षी यादव और डॉ.गार्गी पचौरी ने शर्करा का क्लरीमीट्रिक प्रयोगात्मक परीक्षा कराया। प्राचार्या डॉ.आभा चंद्रा ने छात्र-छात्राओं को सर्टिफिकेट प्रदान किए। वर्कशॉप में डॉ.रेनू सारस्वत, डॉ.नूपुर चटर्जी, डॉ.पंजाब सिंह, डॉ.सीमा एवं डॉ.कल्पना मौजूद रही।

कैंपस

मेरठ। पूर्व में आज से चरण सिंह कश्मीर के सांस्कृति किया था,

जेडी क

मेरठ। उ कार्यालय समस्याअ गई। एडव

प्रतिभा को मंजिल दिलाएगा आईआईटी बांबे

छात्र-छात्राएं स्टार्टअप के जरिये कर सकेंगे खुद का उद्योग स्थापित, मेरठ कॉलेज में बनाई गई टीम

अमर उजाला ब्यूरो

मेरठ। छात्र-छात्राओं में ऐसी प्रतिभाएं छिपी रहती हैं जिनके दम पर वो आसमान छू सकते हैं। लेकिन सही गाइडेंस और मौका नहीं मिलने से वह सिर्फ नौकरी तक सीमित रह जाते हैं। ऐसी प्रतिभाओं को मुकाम दिलाने के लिए आईआईटी बांबे ने देश के पांच सौ कॉलेजों में छात्र-छात्राओं की एक-एक टीम तैयार की है। ये टीमें न सिर्फ खुद बिजनेस आइडिया देंगी, बल्कि दूसरे छात्र-छात्राओं को भी वर्कशॉप में उनके आइडिया रखने का मौका दिलाएंगी। जिससे वे मेक इन इंडिया के तहत खुद अपना बिजनेस शुरू कर सकें। अपने मेरठ कॉलेज में बनी इस टीम को फॉनिक्स नाम दिया गया है। जिसकी तरफ से शनिवार को आईआईटी बांबे से संबद्ध ई-सेल उद्योग उपक्रम का उद्घाटन किया गया।

आईआईटी बांबे की तरफ से देशभर भर के कॉलेजों में पढ़ने वाले युवाओं की उद्यमी प्रतिभा को पंख देने के लिए राष्ट्रीय ्मिता चुनौती (एनईसी) की ये अनोखी ल है। इसके माध्यम से देश के तमाम कॉलेजों में ई-सेल स्थापित कर स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित कर आईआईटी द्वारा छात्रों की मदद की जाएगी। मेरठ कॉलेज से इसके लिए बीएससी फाइनल की छात्रा स्तुति ने लॉगइन किया था। टीम लीडर स्तुति और कोआर्डिनेटर बीएससी की छात्रा अनामिका के निर्देशन में 20 छात्र-छात्राओं की टीम तैयार की गई। शनिवार को वनस्पति विज्ञान विभाग में इसको लेकर ई-सेल उद्योग उपक्रम और इसके वेब पेज का का उद्घाटन डॉ. अतुल भूषण गुप्ता और प्राचार्या डॉ. आभा चंद्रा ने किया। डॉ. अतुल भूषण गुप्ता ने बताया कि ई-सेल की स्थापना यहां के छात्र-छात्राओं के लिए बड़ा काम करेगी। इससे वे स्टार्टअप के जरिये अपना कारोबार कर सकेंगे। जो छात्र-छात्राएं इसमें रजिस्ट्रेशन कराना चाहते हैं, वे कॉलेज में जाकर संपर्क कर सकते हैं।

मेरठ कॉलेज के वनस्पति विभाग में प्रिंसिपल डॉ. आभा चंद्रा ने टीम को दी बधाई।

विजयी टीम को मिलेगा छह लाख का पुरस्कार

टीम लीडर स्तुति बताती हैं कि राष्ट्रीय उद्यमिता चुनौती प्रतियोगिता में जीतने वाली टीम को आईआईटी बांबे की तरफ से छह लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी। इसमें भाग लेने वाली टीमों को विशेष टास्क सौंपा जाएगा। कौन सा टास्क आपको अगले चरण में मिलेगा, इसकी जानकारी नहीं दी जाएगी। ई-सेल टास्क का पहला चरण था। दूसरे चरण में वर्कशॉप का आयोजन किया जाना है। ये छह घंटे की वर्कशॉप होगी। जिसमें दूसरे छात्र-छात्राएं स्टार्टअप के तहत अपने आइडिया रख सकते हैं। ई-सेल मेंबर के रूप में टीम लीडर स्तुति, कोआर्डिनेटर अनामिका, तमन्ना, योगेश, आकाश, नीता, अर्चित, दीपिका, कात्यायनी, निशांत, प्रिंस, शुभम और निमेश शामिल हैं।

इन्होंने दी जानकारी

ई-सेल उद्घाटन के मौके पर डॉ. एसकेएस यादव, डॉ. पंजाब सिंह मलिक, डॉ. अमरजीत, डॉ. नीरज कुमार, डॉ. अलका चौधरी ने छात्र-छात्राओं को उद्योग उपक्रम की संभावनाओं के बारे में बताया।

मेरठ कॉलेज में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम

मेरठ। मेरठ कॉलेज के मूट कोर्ट हॉल में शनिवार को मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सिटी मजिस्ट्रेट अमिताभ यादव ने कहा कि वर्तमान में लोकतंत्र सर्वोत्तम प्रणाली है। उन्होंने छात्रों से अपील की कि सभी अपना वोट बनवाकर मतदान करें। इस मौके पर विभागाध्यक्ष अंजलि मित्तल, डॉ. हरि शंकर राय, डॉ. एमपी वर्मा, अशांक कुमार शर्मा और डॉ. प्रवीण दुबलिश आदि मौजूद रहे।

सोनिया, डॉ. पूनम, डॉ. तारिका, डॉ. शुभा द्विवेदी आदि का

आईआईटी बांबे के भ्रमण पर निकले छात्र

मेरठ। मेरठ कॉलेज में स्थापित उद्योग उपक्रम सैल फिजिक्स की टीम राष्ट्रीय उद्योग उपक्रम प्रतिस्पर्धा में भाग लेने आईआईटी बांबे रवाना हुई। टीम का चयन सर्वश्रेष्ठ दस टीमों में हुआ। इस प्रतिस्पर्धा में कुल पांच सौ कॉलेजों की उद्योग उमक्रम सैल की टीम प्रतिभाग कर रही है। टीम को मेरठ कॉलेज की प्राचार्या डॉ. आभा चंद्रा ने शुभकामनाएं देकर रवाना किया। टीम के साथ शिक्षक सलाहकार डॉ. एनपी सिंह और डॉ. प्रगति रस्तौगी एसोसिएट प्रोफेसर जंतु विज्ञान विभाग प्रतिस्पर्धा में सम्मिलित होने गए हैं। टीम में स्तूति, तमन्ना, दीपिका, योगेश, अर्चित, नैमिष, कात्यायनी, मानसी, नीता, आकांक्षा व अभिषेक शामिल हैं।

मेरठ भी २६

Team Phoenix (E- Cell) Gearing up for E-Summit at IIT Bombay

Burning Mid-night oil while preparing for the Presentation in

E- Summit 19-20 January, 2019

Presentation at E-Summit 19-20 January, 2019

Some light moments at E-Summit 19-20 January, 2019

Team honored and acknowledged by College

Project Taken up by Innovation and Incubation Centre

Herbal Lipstick by E-Cell Meerut College Meerut

E-Cell Meerut College, Meerut got 3rd position in National Entrepreneurship Challenge in E-Summit – Paradigm of Disruption, 19-20 January, 2019 at IIT, Bombay.

The main objective of the E-Cell is to transform the students' innovative ideas into a startup. Undergraduate and postgraduate students are associated with the E-Cell Centre of the College. Some faculty members are associated with E-cell as project mentors and as faculty coordinators.

Students of BSc- Yogesh, Mansi, Katyayani, Stuti, Tamanna and Deepika were working on a herbal lipstick in the department of Chemistry under the supervision of Dr. Veena Chaudhary in 2018. In which the ingredients used were: honeycomb, flowers and other herbs. The prepared lipstick will not only be safe but also very economical under the 9 to 5 usage range and will have a longer shelf life at room temperature. On regular usage this lipstick will add to the suppleness and natural glow of lips, keeping them moist even in dry weather of winters.

The trend of using lipstick is increasing among college students and working women. Chemical based Lipstick has a negative impact on health due to the presence of harmful chemicals such as lead, cadmium, chromium and aluminum used as coloring agents. These chemicals have maximum chances of entering the body as lipstick is applied on lips. Due to harmful chemicals serious diseases are seen in women. Ingestion of lead has very bad impact on IQ level of children. The herbal lipstick is superior as it does not impose any health hazards to the people using it.

This innovative project once completed, will bring recognition to E-cell, Meerut College, Meerut.

Project Coordinator: Dr. Veena Chaudhary (Chemistry)

Faculty Coordinators: Dr. Pragati Rastogi (Zoology)

Dr. N. P. Singh (Botany)

फैशन विद सेफ्टी मेरठ कॉलेज के ई सेल से छात्र दे रहे हैं स्टार्टअप का आइडिया, स्नातक की छात्राओं ने तैयार किए हर्बल प्रोडक्ट

अब आप हर्बल लिपस्टिक से संवरिये

विवेक राव • मेरठ

महिलाओं का रूप निखारने वाली लिपस्टिक अक्सर गंभीर बीमारियों का सबब बन जाती है। लिपस्टिक के हानिकारक केमिकल से ट्यूमर और कैंसर का खतरा बना रहता है। अब इस बात से घबराने की जरूरत नहीं है। मेरठ कॉलेज में ई- सेल से जुड़े कुछ छात्र-छात्राओं ने हर्बल लिपस्टिक तैयार की है, जिसमें उन्होंने फूल, पौधों, मधु के छत्ते का इस्तेमाल किया है।

लिपस्टिक में लेड, कैडमियम, क्रोमियम, एल्युमीनियम जैसे खतरनाक रसायन का इस्तेमाल होता है। कास्मेटिक इस्तेमाल करने से 24 से 87 मिलीग्राम लिपस्टिक महिलाओं के पेट में चला जाता है। केमिकल से युक्त कॉस्मेटिक से राहत देने की पहल मेरठ कॉलेज के ई- सेल से जुड़े छात्राओं ने की है। बीएससी में पढ़ने वाली मानसी, कात्यानी, स्तुति, तमन्ना और दीपिका ने अपनी गाइड डा. वीना चौधरी के निर्देशन में लैब में हर्बल लिपस्टिक तैयार की है। मेरठ कॉलेज के रसायन विज्ञान में इसकी सफल टेस्टिंग हो चुकी है। आइआइटी रुड़की ने भी इस हर्बल प्रोडक्ट पर अपनी मुहर लगा दी है। अब इसे पेटेंट के लिए भेजा जा रहा है।

मेरठ कॉलेज की लैब में हर्बल लिपस्टिक तैयार करतीं छात्राएं •

केमिकल को हर्बल से दी चुनौती

ई-सेल से जुड़ी इन छात्राओं का दावा है कि हर्बल लिपस्टिक को तैयार करने में किसी भी केमिकल का इस्तेमाल नहीं किया है। अलग-अलग फूलों से रंग निकालकर, मधुमक्खी के छत्ते से शहद, अलग- अलग पौधों से रंग निकालकर एक विशेष तापमान पर हर्बल लिपस्टिक तैयार की। इसका रंग चटक है। होंठ पर लगने के बाद यह फैलती थी नहीं है। ई सेल के समन्वयक डा. एनपी सिंह ने पेटेंट की वजह से इसका फार्मूला नहीं बताया।

अक्टूबर 2018 में खुला ई-सेल

मेरठ कॉलेज में अक्टूबर 2018 में कॉलेज में ई सेल खुला। आइआइटी बांबे के सहयोग से खुले इस सेंटर से स्नातक और परास्नातक के छात्र- छात्राएं जुड़े हैं। इसका उद्देश्य छात्रों के आइडिया को स्टार्टअप का रूप देना है। इसमें अलग-अलग क्षेत्र के विशेषज्ञ छात्रों का मार्गदर्शन करते हैं। अभी मेरठ ई सेल के छात्रों ने आइआइटी बांबे में हुए नेशनल एंटरप्रेन्योरशिप चैलेंज में तीसरा स्थान हासिल किया था।

“छात्राओं ने हर्बल प्रोडक्ट तैयार किया है। इसकी टेस्टिंग हो चुकी है। जल्द ही इसे पेटेंट के लिए भेजा जाएगा। फूड एंड ड्रग डिपार्टमेंट से अनुमति मिलने के बाद इसका कामर्शियल उत्पादन किया जा सकता है।

डा. एनपी सिंह, समन्वयक, ई- सेल, मेरठ कॉलेज

कॉस्मेटिक में केमिकल से यह है खतरा

लेड	-	स्मृति कम करता है।
क्रोमियम	-	ट्यूमर का खतरा
एल्युमीनियम	-	पेट में अल्सर।
कैडमियम	-	कैंसर का खतरा ।